अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 17-12-2019**

समय : 3 घंटा **द्वितीय वर्ष–प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

जैन तत्त्व प्रवेश–'प्रथम खण्ड'–30

प्र. 1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें– 15

(क) षडद्रव्य द्वार–काल से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

(ख) द्रव्य–क्षेत्र–काल–भाव गुण द्वार-आश्रव, निर्जरा, पुद्गल, मोक्ष, काल की व्याख्या करें।

(ग) दृष्टांत द्वार-बंध के बाद वाले प्रश्न उत्तर सहित लिखें।

(घ) दृष्टांत द्वार–पुण्य-पाप की व्याख्या दृष्टांत द्वार के आधार पर करें।

प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) आत्म द्वार

(ख) भेद द्वार

(ग) सावद्य-निरवद्य द्वार

(घ) वेदनीय व गोत्र कर्म को उदाहरण के द्वारा समझाएं

(ङ) निर्जरा के भेद अर्थ सहित

(च) विस्तार द्वार-प्रारंभ से लिखते हुए दो वर्गों में बांटो तो–विभाग होते हैं तक लिखें।

(छ) भाव द्वार-औदायिक भाव का वर्णन करें।

प्रतिक्रमण–20

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) शक्र स्तुति

(ख) जीव योनि

(ग) वंदना सूत्र

(घ) भोगोपभोग परिमाण व्रत के अतिचार।

प्र. 4 किन्हीं पांच प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) पद विपर्यय का अर्थ लिखें।

(ख) 'अर्थ के व्यवहार' शब्द का अर्थ बताऐं।

(ग) कायोत्सर्ग क्यों करते हैं?

(घ) कर्मादान कितने हैं? ये किस व्रत के अंतर्गत आते हैं?

(ङ) सम्यक्त्व के लक्षण कितने हैं, नाम लिखें।

(च) छह आवश्यकताओं में तीसरे व चौथे आवश्यक का नाम बताऐं।

कर्म प्रकृति–25

प्र. 5 कोई तीन प्रश्न करें– 9

(क) नाम कर्म की प्रत्येक प्रकृतियों में से प्रथम चार को अर्थ सहित लिखें।

(ख) दर्शन मोह कर्म की प्रकृतियों की स्थिति लिखें।

(ग) वेदनीय कर्म लिखें।

(घ) आयुष्य कर्म की स्थिति लिखें।

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) शुभ नाम कर्म भोगने के हेतु लिखें।

(ख) प्रथम पांच स्थावर दशक की व्याख्या करें।

(ग) नौ कषाय को परिभाषित करते हुए उनकी प्रकृतियों का वर्णन करें।

(घ) घाति व अघाति कर्म किसे कहते हैं? इन कर्मों में कितने कर्म घाति व कितने अघाति हैं? नाम लिखें।

(ङ) चारित्र मोह कर्म के लक्षण एवं कार्य का यंत्र-अप्रत्याख्यानी मान, संज्वलन माया, प्रत्याख्यानी लोभ, अनंतानुबंधी माया, अप्रत्याख्यानी क्रोध किसके समान है?

(च) दर्शनावरणीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।

गीतिका–कर्मों की सज्झाय–10

प्र. 7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) छप्पन.....पाणी रे।

(ख) सती.....कमाई रे।

(ग) बीस.....हार्‌यो रे।

(घ) साठ.....ऐसा रे।

प्र. 8 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 2

(क) राजा हरिश्चन्द्र की रानी.....थी। उन्हें अपनी..... ..... बेचनी पड़ी।

(ख) आठवां चक्रवर्त्ती कौन था और जब उसे समुद्र में फेंका गया, तब कितने देव खड़े देखते रहे।

(ग) आभा नगरी का राजा कौन था? विमाता ने उसे क्या बना दिया?

पूर्व कंठस्थ-ज्ञान–15

प्र. 9 चार प्रश्नों के उत्तर दें (प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर दें)– 12

(क) पच्चीस बोल–नौवां बोल ***अथवा*** बाईसवां बोल।

(ख) चतुर्भंगी–पन्द्रहवां बोल ***अथवा*** आश्रव के 20 भेद।

(ग) पच्चीस बोल की चर्चा–जीव के 8 भेद से लेकर 13 तक ***अथवा*** बीसवां बोल।

(घ) तत्त्व चर्चा–अधर्म पर चर्चा ***अथवा*** सिद्ध भगवान की पृच्छा व हाथी-घोड़ा पक्षी आदि तिर्यंच पंचेन्द्रिय की पृच्छा।

प्र. 10 कोई एक पद्य अर्थ सहित लिखें– 3

(क) सावद करणी.....नांई रे।

(ख) नव तत्व.....नीं बात।